औद्योगिक सम्बन्ध के मुख्य पहलू (Industrial Relation)

(Important Aspects of Industrial Relation)

Prof. (Dr.) Ajay Kumar Singh
Associate Prof. cum H.O.D.,
Deptt. Of L.S.W.,
S.N.S.R.K.S. College, Saharsa
E-mail: drajaysaharsa@gmail.com

औद्योगिक सम्बन्ध के दो महत्वपूर्ण पहलू है।

(i) सहयोग (Co-operation)

(2) संघर्ष (Conflict)

पूँजीवादी अर्थ व्यवस्था में दोनों तत्व औद्योगिक सम्बन्ध में सदा वर्तमान रहते है। इन दोनों तत्व का प्रभाव समुदाय तथा समाज पर पड़ता है।

(i) सहयोग के पहलू :→ उद्योगों में नियोजक-नियोजित सम्बन्ध की स्थापना के साथ ही दोनों के बीच सहयोग प्रारंभ हो जाता है, तथा उत्पादन कार्य चलने लगता है। उत्पादन के साधन, पूँजी का स्वामित्व नियोजकों में निहित होता है। श्रमिक नियोजक के प्रतिष्ठान में काम करते है, और उसके लिए पारिश्रमिक या मजदूरी पाते है।

उद्योगों के चलते रहना नियोजकों तथा कर्मचारियों दोनों के हित में है। उत्पादन होते रहने से ही नियोजकों को मुनाफा होता है, तथा श्रमिक को मजदूरी व अन्य सुविधा मिलती है। अगर उत्पादन ठप पड़ जाए तो नियोजकों तथा श्रमिकों दोनों को ही कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। इस कारण उद्योग में नियोजक तथा श्रमिक एक दूसरे के सहयोग से कार्य करते रहते है, दोनों के आर्थिक हितों की पूर्ति होती है।

सामान्यतः नियोजक श्रमिक के लिए ऐसी दशाओं का निर्माण करता है, जिससे श्रमिक को अधिक से अधिक उत्पादन का अवसर मिले। [illegible] कारण नियोजक स्वयं श्रमिकों के मजदूरी, काम के घंटे, विश्रामअंतराल, छुट्टी, कार्य की भौतिक दशा,
[illegible] तथा सुरक्षा प्रतिमानों से

AI QUAD CAMERA
Shot on realme 5

श्रमिक आन्दोलन

रूस के 1917 की साम्यवादी क्रांति का प्रभाव भारत पर पड़ा

(1) तथा भारतीय मजदूर संघ को प्रोत्साहित किया

(2) I.L.O की स्थापना के बाद बी० पी० वाडिया ने भारत में मद्रास श्रमिक संघ आन्दोलन की स्थापना की

इन्हीं के प्रयास से 1926 में श्रमिक संघ अधिनियम पारित हुआ

(3) 1920 में अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना की इसके अध्यक्ष लाला लाजपतराय

वामपंथियों के प्रभाव से 1926-27 में विभाजित।

(1) पहला गुट सुधारवादी (होनेवा समर्थक गुट) (2) दूसरा गुट क्रांतिकारी। (मास्कोगुट)

(4) 1929 अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस → भारतीय ट्रेड यूनियन फेडरेशन (एन० एम० जोशी) (नरमपंथी)

→ लाल ट्रेड यूनियन कांग्रेस साम्यवादी

15/60

(5) 1938 में एकता जिससे समाजवादी राज की स्थापना। उद्योगों का राष्ट्रीयकरण प्रेस पर दिया

1938 में सुभाष चन्द्र बोस हिन्द मजदूर सेवक संघ की स्थापना की

(6) 1940 में साम्यवादी एम० एन० राय ने इंडियन फेडरेशन आफ लेबर की स्थापना की

(7) 1947 में पटेल ने भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस

(8) 1948 में साम्यवादी द्वारा हिन्द मजदूर सभा बना

(9) मजदूरों की पहली हड़ताल 1877 में नागपुर मिल में हुआ

(10) कृषक क्रांतिकारी ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना 1948 में शिवराम अमृत डांगे व ब्रेडले द्वारा की गया

AI QUAD CAMERA
Shot on realme 5